
Dadhichiprotam Ambikamahimopadesham 2

दधीचिप्रोक्तं अम्बिकामहिमोपदेशम् २

Document Information

Text title : Dadhichiprotam Ambikamahimopadesham 2

File name : ambikAmahimopadesham2dadhIchiproktaM.itx

Category : devii, shivarahasya, upadesha, advice, devI

Location : doc_devii

Transliterated by : Ruma Dewan

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | ugrAkhyah saptamAMshaH | adhyAyaH 14 | 295-306||

Latest update : May 3, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

May 3, 2024

sanskritdocuments.org

दधीचिप्रोक्तं अम्बिकामहिमोपदेशम् २



सहस्रेणापि शिरसां शेषो यत्पादजं रजः ।
वहत्यन्वहभुग्नाङ्गः सेयं भगवती शिवा ॥ २९५ ॥

इन्द्रोऽपि यत्प्रसादेन वृत्रं हत्वा महासुरम् ।
स्वर्गाधिपत्यं सम्प्राप सेयं भगवती शिवा ॥ २९६ ॥

यत्पादपद्मनिशं ध्यात्वा सम्पूज्य सादरम् ।
विष्णुर्विष्णुत्वमापन्नः सेयं भगवती शिवा ॥ २९७ ॥

यत्पादपद्मनिशं ध्यात्वा सम्पूज्य सादरम् ।
ब्रह्मा ब्रह्मत्वमापन्नः सेयं भगवती शिवा ॥ २९८ ॥

यत्पादपद्मनिशं ध्यात्वा सम्पूज्य सादरम् ।
ईशोऽपीशत्वमापन्नः सेयं भगवती शिवा ॥ २९९ ॥

यत्पादपद्मनिशं ध्यात्वा सम्पूज्य सादरम् ।
इन्द्रोऽपीन्द्रत्वमापन्नः सेयं भगवती शिवा ॥ ३०० ॥

यत्पादपद्मनिशं ध्यात्वा सम्पूज्य सादरम् ।
सूर्यः सूर्यत्वमापन्नः सेयं भगवती शिवा ॥ ३०१ ॥

यत्पादपद्मनिशं ध्यात्वा सम्पूज्य सादरम् ।
चन्द्रश्चन्द्रत्वमापन्नः सेयं भगवती शिवा ॥ ३०२ ॥

यत्पादपद्मनिशं ध्यात्वा सम्पूज्य सादरम् ।
वह्निर्वह्नित्वमापन्नः सेयं भगवती शिवा ॥ ३०३ ॥

यत्पादपद्मनिशं ध्यात्वा सम्पूज्य सादरम् ।
वायुर्वायुत्वमापन्नः सेयं भगवती शिवा ॥ ३०४ ॥

यत्पादपद्मनिशं ध्यात्वा सम्पूज्य सादरम् ।
यमो यमत्वमापन्नः सेयं भगवती शिवा ॥ ३०५ ॥

यत्पादपद्मनिशं ध्यात्वा सम्पूज्य सादरम् ।

पाशी पाशित्वमापन्नः सेयं भगवती शिवा ॥ ३०६ ॥

॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते दधीचिप्रोक्तं अम्बिकामहिमोपदेशं २ सम्पूर्णम् ॥

- ॥ श्रीशिवरहस्यम् उग्राख्यः सप्तमांशः । अध्यायः १४ । २९५-३०६ ॥

- .. shrIshivarahasyam ugrAkhyah saptamAMshaH . adhyAyaH 14 . 295-306

..


Notes:

Ṛṣi Dadhīci ऋषि दधीचि renders Upadeśa उपदेश to Dakṣa दक्ष about the Stature of Ambikā अम्बिका who has arrived at the site of the Yajña यज्ञ when Dakṣa दक्ष chooses to not welcome Her.

Encoded and proofread by Ruma Dewan

——
Dadhichiproktam Ambikamahimopadesham 2

pdf was typeset on May 3, 2024

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

